एक्सप्रेस न्यूज़

R.N.I.NO.: UPHIN/2019/77214

वर्ष : 07 अंक : 12 पीलीभीत, दिसम्बर 2025 (हि0मा0) पृष्ठ 8 मूल्य :5 रुपया

आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवसः सीएम योगी बोले-

बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनेगी

पाठ्यक्रमों में शामिल हो संविधान की उद्देशिका : निर्मल

लखनऊ : डॉ. भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस आज मनाया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ आंबेडकर महासभा कार्यालय में होने वाले कार्यक्रम में शरीक हुए।

सीएम योगी ने शनिवार को कहा, बाबा साहब की मूर्तियों के साथ अक्सर शरारती तत्व छेड़छाड़ करते हैं। हमारी सरकार निर्णय ले रही है कि बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनाई जाए, ताकि उनकी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिस मूर्ति के ऊपर छत नहीं होगी, वहां छत बनवाएंगे। यदि कहीं कोई काम छूट गया है, तो उसे भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। आज इस पावन अवसर पर मैं बाबा साहब की पावन स्मृति को नमन करता हूं। अभी यहां लालजी प्रसाद निर्मलजी ने चतुर्थ श्रेणी संविदा सफाई कर्मियों की समस्या का उल्लेख किया। हमारी सरकार ने इस पर निर्णय ले लिया है। कॉरपोरेशन का गठन किया गया है और अगले एक-दो महीनों में यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा कि हर चतुर्थ श्रेणी के कर्मी और संविदा कर्मी को न्यूनतम मानदेय की गारंटी सरकार की ओर से मिले। यह कदम भी सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। हम सबको यह समझना होगा कि जो भी सुविधाएं और सम्मान आज वंचित वर्गों को मिल रहा है, वह बाबा साहब की दी हुई प्रेरणा का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश नए भारत की ओर बढ़ रहा है। पंचतीर्थ का निर्माण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के लिए नई छात्रवृत्ति योजनाएं यह सब बाबा साहब के समानता और आत्मसम्मान के विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य है। डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रद्धांजलि अर्पित किया। हजरतगंज स्थित आंबेडकर महासभा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ बौद्ध भिक्षुओं द्वारा बुद्ध वंदना एवं त्रिशरण पंचशील के पाठ से हुआ। पाठ्यक्रमों में शामिल हो संविधान की उद्देशिका : निर्मल डॉ. आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने शुक्रवार को सीएम योगी से मिलकर संविधान की प्रति भेंट की थी। उन्होंने सीएम से आग्रह किया था कि सरकारी पाठ्यक्रमों में संविधान की उद्देशिका, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्य, नीति निर्देशक तत्व, संघीय ढांचा और न्यायपालिका की स्वतंत्रता आदि महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाए।

बाबा साहब पर कार्यक्रम की अनुमति न मिलने से सपा नाराज

रक्षा मंत्री करेंगे वीर सावरकर इम्पैक्ट अवार्ड्स का उद्घाटन

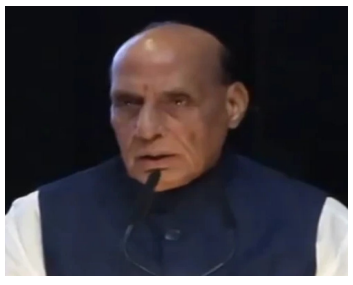

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव पुरस्कार 2025 का उद्घाटन करेंगे, जिसमें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि होंगे। यह समारोह नीति निर्माताओं, सामाजिक नेताओं और नागरिक समाज को राष्ट्रीय विकास और सामाजिक सुधार में परिवर्तनकारी योगदान देने वालों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। नई दिल्ली 10 दिसंबर को वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव पुरस्कार 2025 की मेजबानी करेगा, क्योंकि हाई रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस) नीति निर्माताओं, सामाजिक नेताओं, विद्वानों और नागरिक समाज के सदस्यों को समाज में परिवर्तनकारी योगदान की मान्यता देने के लिए समर्पित एक शाम के लिए एक साथ ला रही है। यह कार्यक्रम एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें उन व्यक्तियों और संगठनों पर प्रकाश डाला जाएगा जिनके कार्यों ने राष्ट्रीय विकास, सामाजिक सुधार और मानवीय कार्यों में ठोस बदलाव लाए हैं। इस समारोह के राष्ट्रीय स्तर पर काफी ध्यान आकर्षित करने की उम्मीद है,

जिसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, साथ ही सार्वजनिक जीवन, प्रशासन, शिक्षा जगत और विकास क्षेत्र से कई अतिथि भी शामिल होंगे। ये पुरस्कार वीर सावरकर की विरासत पर आधारित हैं, जिनका भारत के राजनीतिक और सामाजिक चिंतन पर प्रभाव आज भी बहस और चिंतन को जन्म देता है। यह मंच उन समकालीन परिवर्तन-निर्माताओं को मान्यता प्रदान करने का प्रयास करता है जो सामुदायिक सशक्तिकरण, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को मूर्त रूप देते हैं, और उन प्रयासों को उजागर करता है जो तेजी से विकसित हो रहे भारत में राष्ट्र निर्माण की नींव को मजबूत करते हैं। आयोजक संस्था, एचआरडीएस इंडिया, ने आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के साथ जमीनी स्तर पर अपने काम के लिए लगातार प्रतिष्ठा अर्जित की है। एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में पंजीकृत, इसने वंचित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के अवसरों तक पहुँच का विस्तार करके संरचनात्मक असमानता को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

नोटिस को कोर्ट में चुनौती देंगे डीके शिवकुमार

केस में कुछ नहीं, सिर्फ परेशान किया जा रहा

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार नेशनल हेराल्ड केस के सिलसिले में मिले नोटिस को कोर्ट में चुनौती देंगे। उन्होंने शनिवार को कहा कि नोटिस को समझने के बाद वे इसका जवाब देंगे और कानून की अदालत में लड़ेंगे। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शुक्रवार को डीके शिवकुमार को नेशनल हेराल्ड मामले में नोटिस जारी किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस का मानना ह्है कि शिवकुमार के पास इस मामले से जुड़ी अहम जानकारी है और इसीलिए नोटिस जारी किया गया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नोटिस के संबंध में शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा, यह मेरे लिए चौंकाने वाला है। मैंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सारी जानकारी दे दी थी। ईडी ने मुझे और मेरे भाई को बुलाया था। हमारे संस्थान में कुछ भी गलत नहीं है। कांग्रेस सदस्य होने के नाते, हमने इसका समर्थन किया। दूसरा, छिपाने के लिए कुछ नहीं है। सब कुछ साफ-साफ है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि ईडी की चार्जशीट के बाद भी पुलिस को केस दर्ज करने की क्या जरूरत थी। हम इसका सामना करेंगे और कानून की अदालत में लड़ेंगे। डीके शिवकुमार ने आरोप लगाया कि यह सिर्फ परेशान करने के लिए किया जा रहा है। इसमें कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, यह हमारा पैसा है और हम जिसे चाहें उसे दे सकते हैं। हम टैक्स देते हैं, और इसमें कुछ भी गैरकानूनी शामिल नहीं है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) का मामला पुराना है और चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा, ष्सोनिया गांधी, राहुल गांधी और उनके समर्थकों को सिर्फ परेशान करने के लिए यह सब किया जा रहा है, कन्फ्यूजन पैदा करने की कोशिश हो रही है।

आसमान छूते किरायों के खिलाफ सरकार ने विमानन कंपनियों को दी चेतावनी, इंडिगो को फौरन रिफंड का दिया आदेश

नई दिल्ली। सरकार ने इंडिगो संकट के बीच विमान सेवा कंपनियों को किराये में असामान्य वृद्धि न करने की हिदायत दी है और इंडिगो को उसकी रद्द की गयी उड़ानों के टिकट के पैसे रविवार शाम तक लोगों को वापस करने के निर्देश दिये हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसकी जानकारी में है कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने का फायदा उठाकर कुछ एयरलाइने भारी-भरकम किराये वसूल रही हैं। मंत्रालय ने इस असामान्य स्थिति से प्रभावित सभी मार्गों के लिए अधिकतम किराये तय कर दिये हैं। बयान के अनुसार इस संबंध में जारी निर्देश की प्रति सभी एयरलाइनों को भेज दी गयी है। मंत्रालय ने कहा कि उड़ानों की स्थिति सामान्य होने तक अधिकतम किराये संबंधी निर्देश प्रभावी रहेंगे। सरकार हर पल की सूचना ले रही है और एयरलाइनों के साथ मिल कर स्थिति की निगरानी करेगी। मंत्रालय ने कहा है कि किसी तरह की अनियमितता दिखने पर सुधारात्मक कार्रवाई की जायेगी।

सहकार टैक्सी दो साल में भारत की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बन जाएगी: शाह

नई दिल्ली। हमारे टैक्सी चालकों को उनकी पूरी कमाई उनके बैंक खातों में मिलेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले दो वर्षों में यह टैक्सी सेवा देश की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बन जाएगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि सहकार टैक्सी सेवा अगले दो वर्षों में देश की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बनने की ओर अग्रसर है, जिसकी शुरूआत हाल में की गई थी। शाह ने कहा कि प्रायोगिक तौर पर शुरूआत के बाद से अब तक लगभग 51,000 चालक इससे पंजीकृत हो चुके हैं। सहकारिता मंत्री शाह ने इस सेवा की शुरूआती सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमने हाल ही में सहकार टैक्सी सेवा शुरू की है, जो सहकारी आधार पर है। हमने इसे दिल्ली में प्रायोगिक तौर पर शुरू किया है। शाह यहां महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में अर्थ समिट को संबोधित कर रहे थे। यह राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और भारतीय इंटरनेट एवं मोबाइल संघ (आईएएमएआई) द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय पहल है। शाह ने कहा कि प्रायोगिक परियोजना शुरू होने के बाद से अब तक 51,000 ड्राइवर इस सेवा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। उन्होंने कहा, हमारे टैक्सी चालकों को उनकी पूरी कमाई उनके बैंक खातों में मिलेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले दो वर्षों में यह टैक्सी सेवा देश की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बन जाएगी। देश की शीर्ष आठ सहकारी संस्थाओं के समर्थन वाली ऑनलाइन सवारी सेवा भारत टैक्सी को मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रायोगिक आधार पर शुरूआत की गई।

वाराणसी में इंडिगो की आठ उड़ानें रद्द, एयरपोर्ट पर हंगामा जमीन पर बैठे यात्री

वाराणसी। वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर विमान यात्रियों ने जमकर हंगामा मचाया। एयरपोर्ट प्रशासन उन्हें लगातार समझाने का प्रयास कर रहा था। परिसर में अव्यवस्था के कारण यात्रियों को काफी परेशानी हुई। बताया कि यहां भोजन-पानी की भी व्यवस्था बेपटरी हो गई है। इंडिगो एयरलाइन के लगातार उड़ान निरस्तीकरण से शनिवार को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों का धैर्य जवाब दे गया। सुबह से ही यात्रियों ने इंडिगो काउंटर पर हंगामा किया और एयरलाइन पर गंभीर आरोप लगाए। यात्रियों का कहना था कि उन्हें सही और समय पर जानकारी नहीं दी जा रही है, न ही यात्रा के लिए टिकट उपलब्ध कराया जा रहा है। एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा बार-बार सिर्फ टिकट निरस्त कराने की सलाह दी जा रही थी और सही जानकारी भी नहीं दिया जा रहा है। यात्रियों का आरोप दो दिन से फंसे, खाने-पीने की व्यवस्था तक नहीं कई यात्रियों ने बताया कि वे पिछले दो दिनों से एयरपोर्ट पर ही फंसे हुए हैं। उनका कहना है कि एयरलाइन द्वारा न तो उचित जानकारी दी गई और न ही भोजन-जल की व्यवस्था की गई। शुक्रवार को जब यात्रियों ने विरोध किया, तब जाकर थोड़ी-बहुत व्यवस्था की गई। कुछ यात्री एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग के बाहर जमीन पर बैठने को मजबूर रहे। यात्रियों ने कहा कि इतनी बड़ी एयरलाइन द्वारा इस प्रकार का व्यवहार बेहद निराशाजनक और अस्वीकार्य है। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से बताया गया कि हालात पर नजर रखी जा रही है और यात्रियों की सुविधाओं के लिए एयरलाइन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। चरणबद्ध तरीके से संचालन शुरूः लगातार व्यवधान के बीच इंडिगो एयरलाइन ने शनिवार को 11 बजे से 2 बजे के बीच चरणबद्ध रूप से सीमित उड़ानों का संचालन शुरू किया।

970 करोड़ की इंटरनेशनल ठगी, पुलिस के हत्थे चढ़ा रवींद्रनाथ सोनी

कानपुर। कानपुर पुलिस द्वारा उत्तराखंड से गिरफ्तार किए गए

इंटरनेशनल ठग रवींद्रनाथ सोनी के 970 करोड़ रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है। सोनी ने दुबई में ब्लूचिप कंपनी का ऑफिस बनाकर लोगों से निवेश कराए थे और हवाला व क्रिप्टो के जरिए रकम डाइवर्ट की है। अब तक एक करोड़ रुपये के अकाउंट फ्रीज किए जा चुके हैं। कानपुर में अंतरराष्ट्रीय ठगी नेटवर्क चलाने वाले रवींद्रनाथ सोनी की गिरफ्तारी के बाद देश ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, मलेशिया, दुबई और फ्रांस से भी पीड़ित लगातार कानपुर पहुंचकर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। अब तक की पुलिस जांच में करीब 970 करोड़ रुपये की अंतरराष्ट्रीय ठगी का खुलासा हो चुका है। जानकारी के अनुसार, रवींद्रनाथ सोनी मूलरूप से दिल्ली का रहने वाला है और बैंकिंग सेक्टर में काम कर चुका है। इसका फायदा उठाकर उसने ठगी का जाल बिछाया। सोनी ने दुबई में ब्लूचिप कंपनी का मुख्य कार्यालय बनाकर लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर भारी निवेश कराया। दुबई ऑफिस पर ताला लगने के बाद लोगों को ठगी का एहसास हुआ और वहां भी उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। कानपुर पुलिस ने उसे हाल ही में उत्तराखंड से गिरफ्तार किया था। पुलिस अब तक सोनी के एक करोड़ रुपये के अकाउंट फ्रीज कर चुकी है और डिजिटल निवेश की जांच जारी है। कस्टडी रिमांड मिलने के बाद और बड़े खुलासे की संभावना पुलिस के मुताबिक, सोनी ने हवाला और क्रिप्टो करेंसी के जरिए बड़े पैमाने पर रकम डाइवर्ट की है, जिसकी जानकारी जुटाना जांच टीम के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। पुलिस ने उसके नेटवर्क का पदार्फाश करने और अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाने के लिए कोर्ट से कस्टडी रिमांड की मांग की है। कस्टडी रिमांड मिलने के बाद और बड़े खुलासे की संभावना है।

सुबह- सुबह डमरू वादन से गूंज उठा बनारस स्टेशन

वाराणसी। काशी तमिल संगमम को लेकर तमिलनाडु से तीसरा दल शनिवार को काशी पहुंचा। बनारस रेलवे स्टेशन पर अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। काशी तमिल संगमम-4.0 में दक्षिण भारत से आने वाले समूह का सिलसिला जारी है। तमिलनाडु से शनिवार को तीसरा समूह विशेष ट्रेन से बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचा। तीसरा समूह लेखकों का है। स्टेशन पर उतरते ही समूह का पारंपरिक तरीके से डमरू वादन, पुष्प वर्षा और ह्यहर-हर महादेवह्व और 'वणक्कम काशीह्व के उद्घोष से भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री अनिल राजभर सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। समूह को काशी की सांस्कृतिक आत्मीयता और तमिल-काशी के ऐतिहासिक संबंधों की जानकारी देते हुए उनका अभिनंदन किया। स्टेशन पर पारंपरिक स्वागत देखकर तमिल दल के सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई लोगों ने कहा कि काशी में मिल रही गर्मजोशी और आध्यात्मिक वातावरण उनके लिए अविस्मरणीय है। डमरू वादन की ध्वनि से पूरा परिसर शिवमय हो गया और काशी व तमिलनाडु की सांस्कृतिक एकता की झलक साफ दिखाई दी। कार्यक्रम के तय शेड्यूल के अनुसार, तमिलनाडु से आए अतिथि आज श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद वे गंगा तट, घाटों, तथा शहर के प्रमुख सांस्कृतिक और शैक्षिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि अतिथियों को काशी की समृद्ध विरासत, कला, संस्कृति और अध्यात्म से परिचित कराने के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। ह्यकाशी तमिल संगममह्व का उद्देश्य काशी और तमिलनाडु के बीच प्राचीन सांस्कृतिक, धार्मिक और शैक्षिक संबंधों को पुनर्जीवित करना है। इस बार चौथा संस्करण आयोजित हो रहा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों-शिक्षा, संस्कृति, साहित्य, कला एवं उद्योग-से जुड़े प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

निजी प्रैक्टिस करते मिले कुदरहा में तैनात सरकारी चिकित्सक

बस्ती। सरकारी चिकित्सकों के निजी प्रैक्टिस न करने के संबंध में सीएमओ समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों को पहले से ही दिशा-निर्देश दिए गए हैं। बावजूद इसके यहां निजी प्रैक्टिस का खेल चल रहा है। अब नया मामला खुलकर सामने आया है। एसीएमओ ने सरकारी डॉक्टर को निजी प्रैक्टिस करते हुए पकड़ा है। उन्होंने इसकी रिपोर्ट सीएमओ को दी है। शासन की सख्ती पर जिला प्रशासन यहां गोपनीय तरीके से निजी प्रैक्टिस करने वाले सरकारी डॉक्टरों की सूची तैयार करने के लिए टीम बनाने को कहा था। प्रशासन ने कहा था कि जिन सरकारी चिकित्सकों को नॉन प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) मिल रहा है, वह निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकते हैं। शिकायत पर सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने गठित टीम में शामिल एसीएमओ डॉ. एसबी सिंह को जांच के लिए देईसाड़ भेजा। वहां कुदरहा में तैनात चिकित्सक क्लीनिक में निजी प्रैक्टिस करते पकड़े गए। एसीएमओ ने बताया कि तत्काल सीएमओ को इसकी रिपोर्ट दी और दूरभाष पर बात भी कराई गई, ताकि कार्रवाई से बच न सके। बताया गया कि सीएचसी पर तैनाती है लेकिन, निजी प्रैक्टिस वाले स्थान पर मौजूद रहते हैं। तैनाती स्थल पर न जाकर जिला मुख्यालय पर घूमते रहते हैं। एसीएमओ ने बताया कि इसकी रिपोर्ट सीएमओ को दिए हैं। आ वहीं, सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि एसीएमओ डॉ. एसबी सिंह को जांच के लिए भेजा था। मौके पर एक सरकारी डॉक्टर निजी प्रैक्टिस में संलिप्त पाए गए। अभी लिखित रिपोर्ट नहीं मिली है।

एक डॉक्टर की डिग्री पर कई अल्ट्रासाउंड सेंटर, छह को नोटिस

बस्ती। डॉक्टरों की डिग्री को गलत तरीके से इस्तेमाल कर अल्ट्रासाउंड सेंटर चला रहे कथित संचालकों की पोल खुल रही है। जिले में छह ऐसे अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित हैं, जिनके चिकित्सकों की डिग्री गैर जनपद में संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटरों में इस्तेमाल की जा रही है। अब संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। इससे उनमें खलबली है। शिकायत पर शासन की सख्ती के बाद हुई जांच हुई तो यह फजीर्वाड़ा पकड़ा गया है। सीएमओ कार्यालय से इन सेंटर के संचालकों और चिकित्सकों को नोटिस जारी किया गया है। चिकित्सकों से पूछा गया है कि वह किस जनपद में कब से कब तक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। दूसरे जिले में अगर चिकित्सक सेवा दे रहा है तो उससे वहां निवास से संबंधित सबूत भी मांगे जा सकते हैं। जानकारों ने बताया कि प्रकरण की जांच अगर ईमानदारी से हुई तो बड़ा फजीर्वाड़ा पकड़ा जा सकता है। सीएमओ कार्यालय के अनुसार किरन अल्ट्रासाउंड सेंटर रोडवेज तिराहा के चिकित्सक की डिग्री राजश्री अल्ट्रासाउंड निकट कृष्णा टाकीज गोंडा में भी लगी हुई है।

व्यवसायी के बेटे की संदिग्ध हालात में मौत

हरैया। कस्बे के एक व्यवसायी के बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक देर रात को एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौटा था। सुबह पेट में दर्द होने पर परिजन अस्पताल ले गए, वहां इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। कस्बा निवासी कृष्ण कुमार गुप्ता बभनान रोड पर महिला महाविद्यालय के पास बने घर में दुकान करते हैं। दुकान के पिछले हिस्से में बने मकान के कमरों में पूरा परिवार रहता है। पत्नी के अलावा तीन बेटे व दो बेटियां हैं, जिनमें से एक बेटे व बेटी की शादी हो चुकी है। पांच बच्चों में चौथे नंबर का बेटा अमित कुमार (20) कस्बे में हाईवे के किनारे एक दुकान पर बैठकर प्राइवेट बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों के टिकट बुक करने का कार्य करता था। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार को कस्बे में अपने एक परिचित दोस्त की बहन के शादी में शामिल होने के बाद देर रात करीब दो बजे घर आया और कमरे में जाकर सो गया।

71 गोवंशों का चारा डकार रहा था सचिवनिलंबित

कानपुर। बिल्हौर ब्लॉक की गढ़ी बिहारीपुर गोशाला में एसडीएम और सीवीओ के निरीक्षण में रजिस्टर से 71 गोवंश गायब मिले। साथ ही, दो गोवंश मृत अवस्था में मिले और 230 पशुओं के हिसाब से चारा दिखाया गया था। इसके बाद ग्राम पंचायत सचिव समीर कुमार को निलंबित कर दिया गया है। कानपुर में एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित व मुख्य पशु चिकित्सा धिकारी डॉ. आईडीएन चतुवेर्दी ने शुक्रवार को बिल्हौर ब्लॉक क्षेत्र के गढ़ी बिहारीपुर गांव की गोशाला का निरीक्षण किया तो सचिव की पोल खोल गई। रजिस्टर में दर्ज 230 गोवंशों में 71 गोवंश गायब मिले। इसके बावजूद रजिस्टर में 230 गोवंशों के हिसाब से चारा की खपत दिखाई गई थी। गोपालक गायब 71 गोवंशों की जानकारी नहीं दे सके। आठ गोपालकों में तीन ही ड्यूटी पर मिले। इस पर ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित कर ककवन ब्लॉक बीडीओ से जवाब तलब किया गया है। गोशाला में साफ-सफाई के भी पुख्ता इंतजाम नहीं मिले। ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी महीने में एक-दो बार ही आते हैं। गोशाला में भूसा व खली गोदाम खाली मिला। कटीली चारदीवारी कई स्थानों पर टूटी मिली है। चोकर भंडारण स्थल सहित अन्य जगहों पर मिली गंदगी ग्रामीणों ने बताया कि जानवर टूटी दीवार से निकलकर खेतों में खड़ी फसल नष्ट कर देते हैं। एसडीएम ने बताया कि गोशाला का हाल बेहद खराब मिला है। प्रथम दृष्टया ग्राम पंचायत अधिकारी समीर कुमार की लापरवाही सामने आई है। रिपोर्ट के आधार पर डीएम ने पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान दो गोवंश मृत अवस्था मिले थे। इनका निस्तारण अधिकारियों ने करा दिया। इसके अलावा चोकर भंडारण स्थल सहित अन्य जगहों पर गंदगी मिली।

तीसरे दल ने बाबा विश्वनाथ के किए दर्शन

वाराणसी। काशी तमिल संगमम के तीसरे दल ने काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा के दर्शन किए। इस दौरान अतिथियों ने भ्रमण कर कॉरिडोर की भव्यता को देखी। काशी तमिल संगमम के तृतीय समूह के आगमन पर काशी विश्वनाथ मंदिर के अधिकारियों ने डमरू दल और पुष्प वर्षा के साथ सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान अतिथियों में काफी उत्साह नजर आया। तस्वीरों में देखें- झलकियां श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने पुष्प वर्षा और डमरू वादन की ध्वनि के बीच सम्पूर्ण समूह का स्वागत किया। स्वागत के बाद सदस्यों को मंदिर प्रशासन द्वारा काशी विश्वनाथ धाम के भव्य कॉरिडोर का विस्तृत भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान सभी ने धाम के ऐतिहासिक स्वरूप, स्थापत्य कला, नवनिर्मित सुविधाओं और निरंतर बढ़ती श्रद्धा-धारा के बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण पूर्ण होने पर सभी अतिथियों के लिए मंदिर द्वारा संचालित अन्नक्षेत्र में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। अन्नक्षेत्र में परोसे गए प्रसाद ने सभी को काशी की सेवा-परंपरा और अतिथि-भावना का गहरा अनुभव कराया। काशी तमिल संगमम् के तृतीय समूह का दर्शन और भ्रमण दोनों समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंधों को और सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। यह दिवस काशी और तमिल परंपराओं के संगम का महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर स्मरणीय रहेगा।

युवक की गोली मारकर हत्या, मफलर से बांधकर शव फेंका

कानपुर। सचेंडी थानाक्षेत्र के बिनौर नहर में एक दिसंबर को मिले अज्ञात युवक के शव की चार दिन बाद शिनाख्त न होने पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। पोस्टमॉर्टम में खुलासा हुआ कि युवक की कनपटी में गोली मारकर हत्या की गई थी और हाथ-गला मफलर से कसकर बांधे गए थे। कानपुर में हमलावरों ने 25 वर्षीय युवक की कनपटी में गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों हाथ और गला मफलर से बांधकर शव सचेंडी थानाक्षेत्र के बिनौर नहर में फेंक दिया। सोमवार को ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शिनाख्त कराने का प्रयास किया। चार दिन बाद भी शिनाख्त न होने पर शुक्रवार को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव का अज्ञात में अंतिम संस्कार कर दिया। सचेंडी

पुलिस के अनुसार, एक दिसंबर की दोपहर 12:30 बजे कंट्रोल रूम में बिनौर नहर में शव पड़े होने की जानकारी मिली। कार्यवाहक प्रभारी सुभाष चंद्र वर्मा, चौकी प्रभारी दिनेश कुमार फोर्स के साथ फॉरेंसिक टीम लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया। उसके शरीर पर काली शर्ट, हरे रंग की पैंट थी। शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाएं कान पर गहरा निशान मिला थाने के उपनिरीक्षक आदर्श शुक्ला ने पंचनामा कर शव मॉचुर्री भेज दिया। पांच दिसंबर को युवक का पोस्टमॉर्टम हुआ। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि युवक के बाएं कान पर गहरा निशान मिला है। उसे गोली मारी गई है। एक्सरे कराने पर पता चला कि गोली आरपार हो गई। अधिक खून बहने से मौत हुई है। वहीं, दाएं कान के ऊपर भी एक घाव मिला है। डीएनए संरक्षित कर लिया गया दोनों हाथ पीछे मफलर से बंधे थे। उसी मफलर से गला कसा गया था। ग्रामीणों में चर्चा थी कि हत्या आशनाई या फिर रंजिश में की गई है। सचेंडी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिस्ट ने बताया कि युवक की शिनाख्त के लिए डीसीआरबी सूचना भिजवाई गई है। साथ ही अन्य जिलों से मिसिंग लोगों की भी जानकारी की जा रही है। शव की शिनाख्त न हो पाने के कारण डीएनए संरक्षित कर लिया गया है। सचेंडी में मिले पहले भी हत्या कर फेंके गए शव आठ नवंबर 2025 को सचेंडी थानाक्षेत्र के संजय नगर में बीपीसीएल बाउंड्री के भीतर संजयनगर निवासी पारितोष के खेत में जला हुआ कंकाल मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह नहीं पता चल पाया कि कंकाल महिला का था किसी पुरुष का है। 30 नवंबर 2024 को सचेंडी थानाक्षेत्र में भौंती से भीमसेन जाने वाली रोड पर सुजानपुर रेलवे अंडरपास के पास काली पॉलिथीन में लिपटा युवती का अधजला शव मिला था। शव के पास एक पोटली में नशे की गोलियां पुलिस और फॉरेंसिक टीम को मिली थी। शव के पोस्टमार्टम में डॉक्टर ने हत्या की पुष्टि की थी।

हवा नहीं तो जमीन से जाईये, इंडिगो संकट के बीच रेलवे का बड़ा ऐलान,

देशभर के 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच

नई दिल्ली। रेलवे ने निजी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानों के परिचालन में आई दिक्कतों के मद्देनजर यात्रियों को सुविधा मुहैया कराने के लिए देशभर की 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है हवाई यात्रा बाधित होने के कारण अचानक काफी संख्या में यात्रियों ने रेलवे की ओर रुख किया है। यात्रियों की इस तत्काल बढ़ी हुई मांग को देखते हुए भारतीय रेलवे ने देशभर की 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़े हैं, जिससे हजारों की संख्या में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हो गयी हैं। रेलवे ने कहा है कि यात्रियों की

सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने एक क्षेत्रवार कार्य योजना लागू की है और विभिन्न रेल मंडलों ने अपने सबसे व्यस्त और ज्यादा मांग वाले मागों पर कोचों की संख्या बढ़ायी। विज्ञप्ति में बताया गया है कि दक्षिणी रेलवे ने सबसे अधिक कोच जोड़े हैं। दक्षिण रेलवे ने 18 ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए हैं। ये उपाय छह दिसंबर से लागू हो गये हैं। इसमें विशेष तौर पर चेयर कार और स्लीपर क्लास के कोच शामिल हैं। वहीं, उत्तर रेलवे भारी मांग वाले गलियारों पर दबाव कम करने के लिए आठ ट्रेनों में 3एसी (थर्ड एसी) और चेयर कार कोच जोड़े हैं। पश्चिमी रेलवे ने चार उच्च-मांग वाले मार्गों पर ट्रेनों में 3एसी और 2एसी कोचों की संख्या बढ़ायी है। इससे देश के पश्चिमी क्षेत्रों से राष्ट्रीय राजदानी की ओर आवाजाही सुगम होगी। पूर्वी मध्य रेलवे ने 6-10 दिसंबर तक पांच फेरों के लिए राजेंद्र नगर-नयी दिल्ली (12309) सर्विस में अतिरिक्त 2एसी कोच लगाया है, जिससे बिहार-दिल्ली के बीच आवागमन करने वाले यात्रियों को किसी तरह की कोई असुविधा न हो। रेलवे ने कहा है कि पूर्वी रेलवे ने यात्रियों की मांग के मद्देनजर तीन प्रमुख ट्रेनों में सात और आठ दिसंबर को छह फेरों के लिए स्लीपर क्लास कोच बढ़ाएगा।

राष्ट्रपति और पीएम मोदी समेत अन्य नेताओं ने महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबासाहेब को किया याद, अर्पित की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 69वीं महापरिनिर्वाण दिवस पर आज पूरे देश में श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुबह भुवनेश्वर के एजी स्क्वायर पहुंचकर बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और मौन रखकर उन्हें याद किया। इसके बाद वह भुवनेश्वर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गईं। राष्ट्रपति अपने गृह राज्य ओडिशा के दौरे पर हैं और आज ही वह अपने पैतृक जिले मयूरभंज भी जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के तमाम बड़े नेताओं ने भी सोशल मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों के जरिए बाबासाहेब को भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए। देशभर में आज विभिन्न आयोजनों के माध्यम से संविधान निमार्ता को याद किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारतीय संविधान के निमार्ता बाबासाहेब आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को याद करता हूं। न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता और अटूट प्रतिबद्धता हमारे राष्ट्र का निरंतर मार्गदर्शन करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आंबेडकर ने पीढ़ियों को मानवीय गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रेरित किया। मोदी ने कहा, विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करते हुए उनके आदर्श हमारा मार्गदर्शन करते हैं। प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के साथ संसद भवन परिसर में स्थित प्रेरणा स्थल में आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि भारत का संविधान उनकी ओर से दिया गया सबसे बड़ा उपहार है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प भी अर्पित किए। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, बाबासाहेब आंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर हम अपने संविधान के निमार्ता और सामाजिक न्याय के लिए एक अडिग आवाज के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने पूरे जीवन में बाबासाहेब स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए दृढ़ता से खड़े रहे।

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ हर मोर्चे पर सरकार की है सक्रियता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदूषण नियंत्रण पर सरकार की सक्रियता का आश्वासन देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई मिशन मोड में जारी है, जिसमें बिजली के खंभों पर मिस्टिंग और रिंग रोड की सफाई के लिए स्प्रिंकलर का उपयोग जैसे उपाय शामिल हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निवासियों को आश्वासन दिया कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण से निपटने के लिए हर मोर्चे पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आगे दोहराया कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लगातार मिशन मोड में जारी है। पत्रकारों से बात करते हुए, गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण कम करने में मदद के लिए बिजली के खंभों पर मिस्ट लगाने का काम जारी है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ हमारी लड़ाई मिशन मोड में बिना रुके जारी है। धुआँ, धूल, वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाना और लकड़ी जलाना - ये सभी मिलकर हवा में प्रदूषण की एक परत बनाते हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण में योगदान देने वाले हर कारक पर काम कर रही है..... दिल्ली में बिजली के खंभों पर मिस्ट लगाने का काम जारी है... इसे रोकने के लिए सरकार हर मोर्चे पर सक्रिय है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पर एक पोस्ट में बताया कि शहर के रिंग रोड की सफाई के लिए सैकड़ों स्प्रिंकलर का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह सड़क सफाई नियमित अंतराल पर हो रही है, जिससे धूल और प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभा रही है। गुप्ता ने लिखा कि दिल्ली में पहली बार सैकड़ों स्प्रिंकलर वाहन राजधानी के रिंग रोड की सफाई कर रहे हैं। हमारा मिशन सबका है - प्रदूषण नियंत्रण। हमारी सरकार प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने के लिए हर स्तर पर पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है। रिंग रोड पर इन स्प्रिंकलर वाहनों के जरिए नियमित अंतराल पर सड़कों की सफाई की जा रही है।

व्यवसायी के बेटे की संदिग्ध हालात में मौत

हरैया। कस्बे के एक व्यवसायी के बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक देर रात को एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौटा था। सुबह पेट में दर्द होने पर परिजन अस्पताल ले गए, वहां इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। कस्बा निवासी कृष्ण कुमार गुप्ता बभनान रोड पर महिला महाविद्यालय के पास बने घर में दुकान करते हैं। दुकान के पिछले हिस्से में बने मकान के कमरों में पूरा परिवार रहता है। पत्नी के अलावा तीन बेटे व दो बेटियां हैं, जिनमें से एक बेटे व बेटी की शादी हो चुकी है। पांच बच्चों में चौथे नंबर का बेटा अमित कुमार (20) कस्बे में हाईवे के किनारे एक दुकान पर बैठकर प्राइवेट बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों के टिकट बुक करने का कार्य करता था। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार को कस्बे में अपने एक परिचित दोस्त की बहन के शादी में शामिल होने के बाद देर रात करीब दो बजे घर आया और कमरे में जाकर सो गया। सुबह लगभग नौ बजे उसने भाई को पेट दर्द व बेचैनी होने की बात बताई। परिजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कमी मिलने पर अस्पताल का पंजीयन होगा निरस्त

बस्ती। मानक पर खरे न उतरने वाले निजी अस्पतालों पर अब और सख्ती बढ़ा दी गई है। स्वास्थ्य विभाग अब केवल पंजीयन निरस्त नहीं करेगा बल्कि जुमार्ना भी लगाएगा। न्यूनतम 10 हजार रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक का अर्थदंड लगाया जाएगा। जुमार्ना न देने पर विधिक कार्रवाई भी कराई जाएगी। एसीएमओ डॉ. एसबी सिंह ने बताया कि क्लीनिकल स्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के तहत निजी अस्पताल में अगर कोई भी कमी पाई जाएगी तो कार्रवाई की जाएगी। जो भी अस्पताल वह चाहे इंफार्मेशन बोर्ड लगाने में हीलाहवाली करेंगे या फिर पार्किंग की व्यवस्था नहीं रहेगी तो पंजीयन निरस्त करने के साथ ही कमी के अनुसार अर्थदंड लगाया जाएगा। अस्पतालों को पंजीयन के सभी मानक पूरा करना होगा। पार्किंग, इमरजेंसी डोर, फायर एनओसी, स्टाफ भी मानक के अनुसार, साफ-सफाई व्यवस्था व बायोवेस्ट प्रबंधन भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर जांच में कमी पाई तो पंजीयन निरस्त कर दिया जाएगा। जुमार्ना भी लगेगा। इतना ही नहीं जांच के दौरान कोई अस्पताल पंजीयन संबंधित कागजात नहीं उपलब्ध करा पाएगा तो 50 हजार रुपये जुमार्ना लगाया जाएगा। दूसरी बार जांच में भी अगर कागजात नहीं मिला तो दो लाख, तीसरी जांच में पांच लाख तक जुमार्ना लग सकता है। बताया कि दक्षिण दरवाजा स्थित नूर हॉस्पिटल का पंजीयन निरस्त हो गया था। 10 हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया था। संचालक ने अर्थदंड को जमा कर दिया है।

नगर विकास पर खर्च होंगे 2.34 करोड़...टेंडर प्रक्रिया शुरू

बस्ती। नगर पालिका परिषद बस्ती सीमा के अंतर्गत तेजी से विकास होगा। उपलब्ध बजट से विकास कार्य प्रारंभ कराने के लिए शासन स्तर से मिली हरी झंडी के बाद तैयारी शुरू हो गई है। 2.34 करोड़ रुपये की लागत से विकास का खाका तैयार किया गया है। नगर पालिका की ओर से कराए जाने वाले विकास कार्य से जनता में आस जगी है कि सालों से कच्ची गलियों में जलभराव, गंदगी की समस्या से निजात मिलेगी। बताया गया कि चेयरमैन ने जनता व क्षेत्रीय सभासदों की मांग को देखते हुए शहर में कई स्थानों पर विकास कार्य शुरू कराने के लिए प्रस्ताव तैयार कराए थे, जिन्हें प्रशासन से हरी झंडी मिल गई है। अब नगर पालिका की ओर से शहर में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत 2.34 करोड़ की धनराशि सभी 25 वार्ड में विभिन्न स्थलों पर निर्माण कार्य कराने की पूरी तैयारी कर ली है। निर्माण कार्य कराने के लिए ई-टेंडर के जरिये ठेकेदारों ने निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही ठेकेदारों को वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिए जाएंगे। बताया गया कि जल्द ही प्रस्तावित स्थलों पर कार्य प्रारंभ हो जाएंगे। ईओ नगर पालिका अंगद गुप्ता ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के तहत शहरी क्षेत्रों में कार्य कराए जाएंगे। बुनियादी ढांचे को और मजबूत बनाना है। जल और स्वच्छता की सुविधा और शहर की सड़कों की स्थिति सुधारी जाएगी। एक करोड़ रुपये की पेयजल परियोजना की मिल चुकी है मंजूरीः शहरी क्षेत्र में पेयजल संकट को दूर करने के लिए और वंचित कॉलोनियों में पेयजल की सुविधा को और मजबूत बनाने के लिए एक करोड़ रुपये की पेयजल परियोजना की मंजूरी मिल चुकी है।

संपादकीय

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें। महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को लोकतंत्र के हित में विरोध के साथ रचनात्मक सहयोग भी करना चाहिए। लोकतंत्र को संबल देने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जहां सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका है, वहीं राजनीतिक दलों व आम नागरिकों के भी दायित्व हैं। नागरिकों को राष्ट्रीय कार्यों में नागरिक धर्म का भी निर्वाह करना चाहिए। आम लोगों की सजगता व सक्रियता बूथ लेवल अधिकारियों के बोझ को कुछ कम जरूर कर सकती है।

आतंकवाद की नई परिभाषा गढ़ते तालिबान पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

तब जब तालिबान और पाकिस्तान एक-साथ मिलकर, अमेरिका व पश्चिम समर्थित अफगानी शासन के खिलाफ संघर्ष में थे। तब आतंकवाद, संगठित विद्रोह, और पनाह-गाह का एक साझा मंच था। उस संघर्ष का मकसद स्पष्ट था अफगानिस्तान तालिबान उन समूहों को खदेड़े, या उन्हें समाप्त करने की ठोस कार्रवाई करें। क्योंकि, पाकिस्तान का कहना है, जो भी उन्हें पनाह देता है, उकसाता है या फंड करता है, वह हमारे लोगों का मित्र नहीं हो सकता।ह तालिबान के लिए जिसे अब काबुल में सत्ता मिली है । यह कहना आसान हो आतंकवाद का जाल और जटिल हो जाता है चाहे वह कश्मीर हो या पंजाब, चाहे भारत की सीमाएँ हों या मध्य एशिया का विस्तार।

इसलिए, अब यह कहना लाजिमी हो गया है कि आतंकवादियों को पनाह देने वाले देशों चाहे कभी मित्र रहे हों का

में तालिबानी शासन स्थापित करना, और क्षेत्रीय देश अपने स्वार्थ साधना। पाकिस्तान ने अपने हितों के तहत तालिबान और उनसे जुड़े संगठनों को संरक्षण दिया था। कई आतंकी समूह चाहे वे तालिबान के ही हों या बहु-संगठित भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, और मध्य एशिया में सक्रिय रहे लेकिन वक्त और हालात बदल गए। पहले जिस तालमेल को आतंकवाद की साझा पहचान ने जोड़ा था, अब वही लहू-खून और घात-छिपा युद्ध का कारण बन गया है। पिछले महीनों में सीमा पार कई हिंसक हमले हुए। कथित आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तान की सुरक्षाबलों पर हमले बढ़ा दिए। पाकिस्तान का आरोप है कि ये हमले विशेषकर उन संगठनों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन से संचालित हो रहे हैं। हाल ही में, पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि अगर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), टीटीपी या अन्य प्रतिबंधित समूहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो अफगानिस्तान के शासन और तालिबान दोनों को दुश्मन माना जाएगा। दूसरी ओर, तालिबान भी खामोश नहीं रहा। उसने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में कथित हवाई हमलों जिनमें मासूमों की मौत हुई को अभियान, सैन्य घुसपैठ, और सरहद उल्लंघन करार दिया। तालिबान के एक मंत्री ने पाकिस्तान की रक्षा नीति को चुनौती देते हुए, उसे कायर दुश्मन कहा और चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतों का जवाब दिया जाएगा।

यही नाजुक संतुलन जो कभी साझा थे अब क्लेश, वियोग, और परस्पर अविश्वास में बदल गया है। पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान शासन ने उन आतंकवादी समूहों को पनाह दी जिन्होंने खुद पाकिस्तान की सेना व आम नागरिकों को निशाना बनाया। उनकी मांग यह है कि सकता है कि वे अपने देश के अंदर सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करेंगे। लेकिन उस रक्षा की भी कीमत चुकानी पड़ी है। जब पाकिस्तान ने उत्तर वजीरिस्तान और कुर्म बार्डर क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई और थल हमले किए, तालिबान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। इस बदलते परिदृश्य को यदि हम तत्कालीन इतिहास से जोड़कर देखेंरू 2021 में जब तालिबान ने अफगानिस्तान में फिर सत्ता सँभाली, पाकिस्तान की उम्मीदें बहुत थीं कि तालिबान न सिर्फ अफगान, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन में पाकिस्तान का साथ देगा। विशेष रूप से, भारतदपाकिस्तान कश्मीर के मसलों में तालिबान को पाकिस्तान का साथी बनाने की कवायद थी। लेकिन वह उम्मीद धरी की धरी रह गई। न तो तालिबान ने कश्मीर पर पाकिस्तान की किसी पुरजोर रणनीति का वादा निभाया, न ही भारत-विरोधी स्पष्ट राजनीतिक रुख अपनाया।

अब, जब तालिबान स्वयं आतंकवादियों के जिनमें टीटीपी, बीएलए आदि शामिल खिलाफ कार्रवाई में रुचि नहीं दिखा रहे, या दिखा भी रहे हो, पर कार्रवाई ठोस नहीं है, पाकिस्तान की नाराजगी बढ़ने लगी। और इस नाखुशी की आंच से दोनों पूर्व मित्र अब आपस में तलवारें खिंचने लगे हैं। इस विस्तृत परिप्रेक्ष्य में जहाँ दोनों ही पक्षों ने कभी आतंकवाद को पनाह दी, सहारा दिया आज विरासत खतरनाक हैरू अस्थिरता, अविश्वास, सीमा पर गोलीबारी, नागरिकों की जान और क्षेत्रीय राज-नैतिक असंतुलन। भारत के लिए, यह संघर्ष सिर्फ एक सीमापार झड़प नहीं बल्कि एक व्यापक सुरक्षा, भू-राजनीति और कूटनीति का चेहरा है। क्योंकि जब पाक तालिबान जैसी शक्तियाँ आपस में झड़ रही हों, तो अंत निश्चित था। और वह अंत सिर्फ उनकी अपूर्णीय साझेदारी का ही नहीं, बल्कि उस साझेदारी के दायित्वों, कूटनीतिक दावों और सुरक्षा प्रणालियों की विफलता का प्रतीक है। आज, पाकिस्तान राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तीनों मोर्चों पर अस्थिरता से गुजर रहा है। उसकी सेना, उसकी सीमाएँ, उसका भरोसा सब कुछ सवालों पर है। एक अस्थायी, गठबंधन-सरकार की राजनीतिक कमजोरी, आर्थिक संकट, और बढ़ती आंतरिक असुरक्षा इन सबके बीच तालिबान का विरोध उस संकट को और गहरा कर रहा है। इस पाशविक युग में, आतंकवाद जो कभी साझा उद्देश्य था अब दोनों के लिए भड़की हुई आग बन गया है। क्योंकि आतंकवादी कभी अपने चरित्र को नहीं भूलते और इस आग में, सीमाएँ नहीं इंसान, जन-जीवन, राज-नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा जलती है। इसलिए, यह वक्त सिर्फ सामरिक भूल-चूक की नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्मूल्यांकन का भी है। आतंकवाद के प्रतीक बने देशों की पहचान मुड़ चुकी है अब वे केवल स्वयं को बचाने की होड़ में हैं। भारत के लिए, यह अवसर है न सिर्फ सुरक्षा की तैयारी करने का, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह संकेत देने का कि आतंकवाद केवल एक देश या संगठन का नहीं, बल्कि एक वैश्विक समस्या है जिसकी जड़ें साझा हैं। क्योंकि आतंकवादियों के खिलाफ गठबंधन, सिर्फ युद्ध की रणनीति नहीं एक नैतिक और वैचारिक लड़ाई है।

और जब दो पूर्व सहयोगी, आपस में संघर्षरत हों तब असली जीत उस विचार की होगी जो आतंकवाद की पनाह-गाहों को मिटा दे, और मानवीय सुरक्षा, कूटनीतिक स्थिरता व क्षेत्रीय शांति को प्राथमिकता दे।

पुरानी प्लास्टिक की बोतल में किन लोगों को पानी पीने से बचना चाहिए ?

हममें से कई लोग रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक की बोतल से पानी पीना आम बात समझते हैं। कभी रास्ते में पानी की बोतल ले लेते हैं, तो कभी पुरानी बोतल को धोकर बार-बार इस्तेमाल करते रहते हैं। लेकिन यह छोटी-सी आदत हमारे शरीर पर बड़ा नुकसान कर सकती है। पुरानी प्लास्टिक की बोतल दिखने में भले सुरक्षित लगे, लेकिन इसमें छिपा खतरा धीरे-धीरे हमारी सेहत को खराब कर रहा है।

प्लास्टिक की बोतल में छिपे खतरनाक केमिकल

पुरानी प्लास्टिक बोतलें समय के साथ घिसने लगती हैं। जब हम ऐसी बोतलों में बार-बार पानी भरते हैं, तो उनसे छोटे-छोटे केमिकल और प्लास्टिक के कण पानी में मिल जाते हैं। ये केमिकल शरीर के हार्मोन बिगाड़ सकते हैं, वजन बढ़ा सकते हैं, इंसुलिन पर असर डाल सकते हैं और लंबे समय में गंभीर बीमारियां भी पैदा कर सकते हैं।

किन लोगों को प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने से बचना चाहिए?

आजकल हम में से बहुत लोग रोजाना पानी प्लास्टिक की बोतल से पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पुरानी या बार-बार इस्तेमाल की गई प्लास्टिक बोतलों से धीरे-धीरे हानिकारक रसायन निकल सकते हैं? ये रसायन लंबे समय में स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकते हैं। इसलिए यह समझना जरूरी है कि किन लोगों को प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने से बचना चाहिए।

बच्चे और शिशु

बच्चे और शिशु इस मामले में सबसे संवेदनशील होते हैं। उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और प्लास्टिक के रसायन उनके शरीर पर जल्दी असर डाल सकते हैं। बार-बार इस्तेमाल की गई बोतल से निकले बैक्टीरिया या बीपीए जैसे केमिकल्स उनके विकास और स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को भी प्लास्टिक की पुरानी बोतल से पानी पीते समय सावधान रहना चाहिए। बीपीए और अन्य रसायन भ्रूण के विकास को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए डॉक्टर हमेशा स्टील, ग्लास या बीपीए-तिमम बोतल का उपयोग करने की सलाह देते हैं।

बुजुर्ग और कमजोर लोग

बुजुर्ग और जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर है, उन्हें भी पुरानी प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने से बचना चाहिए। समय के साथ ये बोतलें बैक्टीरिया और फंगस का घर बन सकती हैं, जिससे संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाते हैं।

सावधानी और विकल्प

स्वस्थ रहने के लिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्टील, ग्लास या बीपीए-तिमम बोतल का इस्तेमाल करें। साथ ही, प्लास्टिक की बोतलों को लंबे समय तक बार-बार न इस्तेमाल करें और उन्हें साफ रखें। ये छोटी-छोटी आदतें आपके और आपके परिवार के स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकती हैं।

माइक्रोप्लास्टिक क्या होते हैं और क्यों इतने खतरनाक?

माइक्रोप्लास्टिक बेहद छोटे प्लास्टिक के टुकड़े होते हैं, जो 5 मिलीमीटर से भी छोटे होते हैं। ये पुराने प्लास्टिक के टूटने, कपड़ों के माइक्रोफाइबर बहने और बोतल के घिसने से पानी में मिल जाते हैं। स्टडीज में पाया गया है कि बोतलबंद पानी में भी माइक्रोप्लास्टिक मौजूद होते हैं, यानी हम पानी के साथ इन्हें भी निगल लेते हैं।

माइक्रोप्लास्टिक शरीर के अंदर क्या नुकसान करते हैं?

जब ये छोटे-छोटे कण शरीर में जाते हैं, तो कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। ये शरीर में सूजन बढ़ाते हैं। ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे सेल्स को नुकसान होता है। कुछ कण शरीर में मौजूद हानिकारक रसायनों को भी ले जाते हैं, जिससे बीमारी का खतरा बढ़ता है। कुछ रिसर्च के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक हार्मोनल असंतुलन, फर्टिलिटी की समस्या, मोटापा, और कैंसर का खतरा भी बढ़ा सकते हैं। हालांकि रिसर्च अभी जारी है, लेकिन अब तक जितनी जानकारी मिली है, वह काफी चिंता बढ़ाने वाली है।

पुरानी प्लास्टिक बोतल पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाती है

हर बार पानी की बोतल फेंकने से प्लास्टिक कचरा बढ़ता है। ये बोतलें समुद्र, नदियों और मिट्टी में जाकर जानवरों, मछलियों और पूरे इकोसिस्टम को नुकसान पहुंचाती हैं। प्लास्टिक को नष्ट होने में सैकड़ों साल लगते हैं, इसलिए इसका कचरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

प्लास्टिक की बोतल छोड़ें

सबसे पहला कदम पुरानी प्लास्टिक बोतलों का इस्तेमाल बंद करें।

इसके बजाय इनका उपयोग करें

स्टील बोतल

ग्लास बोतल

बीपीए-तिमम बोतलें

अच्छा वॉटर फिल्टर लगाएं

ऐसा वॉटर फिल्टर चुनें जो पानी में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक और दूसरे प्रदूषकों को कम कर सके। हर फिल्टर माइक्रोप्लास्टिक नहीं हटाता, इसलिए अच्छी क्वालिटी का सिस्टम ही इस्तेमाल करें।

प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करें

एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक बोतलों को खरीदने से बचें। कैरी करने के लिए अपनी खुद की स्टील या ग्लास बोतल रखें।

रात के बचे चावल फेंकें नहीं! बनाएं टेस्टी चीला, स्वाद ऐसा कि बच्चे भी कर दें फरमाइश

बचे हुए चावल से नाश्ते में स्वादिष्ट और पौष्टिक चीला बनाने की यह विधि एक बेहतरीन विकल्प है। बेसन, सूजी और दही के साथ पके चावल को पीसकर झटपट तैयार होने वाला यह चीला कम समय में एक हेल्दी ब्रेकफास्ट पेश करता है। चटनी या सॉस के साथ परोसने के लिए यह एक अनूठा और लोकप्रिय व्यंजन है।

हर भारतीय किचन में चाहे कितना भी नाप-तोल के बना लें, लेकिन खाने में कुछ न कुछ जरुर बच ही जाता है। जब रात के बचे हुए चावल होते हैं, तो लोग सोचते हैं इसका क्या करें। कुछ लोग तो बचे हुए चावल से पकोड़े बना लेते हैं, तो कुछ लोग इसके

भुने हुए चावल बनाकर खा लेते हैं, हालांकि, आप कुछ क्रिएटिविटी दिखानी है तो बचे हुए चावलों से एक टेस्टी और हेल्दी डिश तैयार की जा सकती है। आप नाश्ते में बचे हुए चावल से चीला बना सकते हैं। यह डिश ब्रेकफास्ट के लिए सबसे परफेक्ट ऑप्शन है, जो कम समय में बनकर तैयार हो जाता है और सभी को पसंद आता है। इस रेसिपी को आप जरुर ट्राई करें।

चावल का चीला बनाने की विधि

- सबसे पहले आप एक बाउल में बचे हुए चावल लें।
- अब इसको आप मिक्सी ग्राइंडर में डालें।
- इसमें अब बेसन, सूजी, दही, हरी मिर्च और हरा धनिया डालकर पीस लें।
- अब इसमें सारी जरूरत की चीजें जैसे कि- हल्दी, लाल मिर्च और नामक डालें। आप चाहें तो इसमें काली मिर्च का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।
- इसके बाद थोड़ा सा पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें।
- अब नॉन स्टिक पैन को गर्म करें। गर्म तवा पर इस घोल को डालकर अच्छे से फैला लें।
- अब हल्का सा तेल चीले में डालना है।
- फिर इसको एक तरफ सेंकने के बाद दूसरी तरफ पलटना है।
- जब यह गोल्डन ब्राउन हो जाए, तो इसे हरी चटनी के साथ सर्व कर सकते हैं।

चावल का चीला सर्व कैसे करें

- गर्मा-गर्म चावल का चीला हरी चटनी, टमाटर सॉस या दही के साथ सर्व करें।
- इसमें आप कद्दूकस किया हुआ गाजर या पालक भी मिला लें, जिससे यह और भी हेल्दी बन जाएगा।

नए फैशन ट्रेंड: साड़ी के साथ पहनें ये आर्टिफिशियल चोकर, हर कोई करेगा तारीफ

साड़ी के साथ आर्टिफिशियल चोकर नेकलेस पहनकर अपने लुक को निखारें, ये नए फैशन ट्रेंड्स हर किसी की तारीफ बटोरने में मदद करेंगे। पर्ल, हेवी वर्क और मल्टीकलर डिजाइन वाले चोकर सेट से पाएं रॉयल और क्लासी टच।

अपने लुक को अट्रेक्टिव बनाने के लिए हम सभी ट्रेडिशनल आउटफिट स्टाइलिश बनाने के लिए ज्वेलरी जरुर वियर करते हैं। पार्टी से लेकर शादी फंक्शन में तहलका मचाने के लिए परफेक्ट ज्वेलरी होना बेहद जरुरी होता है। अगर आप अपनी आउटफिट के साथ हैवी ज्वेलरी के जगह कुछ अलग तरह की ज्वेलरी को स्टाइल करना चाहते हैं, तो इस तरह के आर्टिफिशियल डिजाइन वाले चोकर नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इन चोकर सेट को देखकर सब आपकी तारीफ करेंगे। इसके डिजाइन ऑप्शन आपको कई सारे मिल जाएंगे।

रेड एंड व्हाइट पर्ल डिजाइन चोकर नेकलेस सेट

अट्रैक्टिव के साथ सुंदर दिखने के लिए आप चोकर सेट को वियर कर सकते हैं। इस तरह के चोकर सेट आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन स्टोर से खरीद सकते हैं। यह चोकर सेट एकदम रॉयल और काफी क्लास नजर आ रहा है। इसको आप साड़ी के साथ भी वियर कर सकते हैं।

हैवी वर्क वाला चोकर नेकलेस सेट

आप अपने लुक को रॉयल टच देने के लिए हैवी वर्क वाले चोकर नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। ऐसे नेकलेस सेट पहनने के बाद बेहद खूबसूरत लगते हैं और इनमें आपको भगवान की आकृति वाले आकर्षक डिजाइन भी मिल जाते हैं। इसी तरह के डिजाइन में इयररिंग्स भी उपलब्ध होते हैं, जिससे पूरा सेट और भी खूबसूरत दिखाई देता है। आप मार्केट से इसे आर्टिफि शियल डिजाइन में खरीदकर आसानी से साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

बीड्स डिजाइन वाला आर्टिफिशियल चोकर नेकलेस सेट

साड़ी को क्लासी लुक देने के लिए आप बीड्स डिजाइन वाले चोकर सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस सेट में आपको जाली वर्क और गोल्डन पर्ल लुक मिल रहा है। यह चोकर सेट ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद सकते हैं।

मल्टी कलर वाला आर्टिफिशियल चोकर नेकलेस सेट

साड़ी के साथ पहनने के लिए आप आर्टिफि शियल मल्टीकलर चोकर नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें हर स्टोन में अलग-अलग रंग का खूबसूरत संयोजन मिलता है और इसके साथ गोल्डन टच भी दिया गया है, जिससे नेकलेस और ज्यादा आकर्षक लगता है। इस तरह का सेट आपके लुक को एलीगेंट बनाता है, इसलिए इसे आप जरूर ट्राई कर सकती हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए गिल को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इससे पहले टीम को राहत मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गिल पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्हें बीसीसीआई के सीओई से फिटनेस सर्टिफिकेट मिल गया है। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया गया है और वह सभी प्रारूपों में चयन के लिए उपलब्ध हैं। चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, गिल ने न केवल अपना रिहैब पूरा कर लिया है, बल्कि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए आवश्यक सभी फिटनेस और प्रदर्शन मानदंडों को भी पूरा कर लिया है।

सीओई से होंगे डिस्चार्ज

गिल की रिकवरी प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रखी गई है और परिणामों को फल और संतोषजनक बताया गया है। गिल को औपचारिक रूप से सीओई से छुट्टी दे दी जाएगी। गिल को नौ दिसंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। बीसीसीआई ने टीम का एलान करते वक्त बताया था कि गिल की उपलब्धता सीओई से फिटनेस मंजूरी पर निर्भर थी, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब वह फिट घोषित हो गए हैं।

टेस्ट सीरीज के दौरान लगी थी चोट

गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट के दौरान पहली पारी में बल्लेबाजी करते वक्त चोट लगी थी। वह रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे और फिर मैच में हिस्सा नहीं ले पाए थे। गिल दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए फिट नहीं हुए और वनडे सीरीज से भी उन्हें बाहर रखा गया। गिल रिहैब के लिए इस सप्ताह बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे थे।

टी20 सीरीज का कार्यक्रम

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फिलहाल तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। रांची में भारत और रायपुर में दक्षिण अफ्रीका की जीत के साथ सीरीज 1-1 की बराबरी पर पहुंच गई है। आज विशाखापत्तनम में आखिरी मुकाबला खेला जा रहा है। भारत की नजरें निर्णायक मुकाबला जीतकर सीरीज जीतने पर होंगी। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेंगी, जिसकी शुरूआत 9 दिसंबर से होगी। पहला मुकाबला कटक में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में होगा। इस सीरीज के बाकी तीन मुकाबले क्रमशः 14 दिसंबर, 17 दिसंबर और 19 दिसंबर को धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।

केएल राहुल भाग्यशाली या मुरली कार्तिक? भारत ने 20 वनडे बाद जीता टॉस

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम वनडे विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में वनडे में आखिरी बार टॉस जीती थी। केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में इस तिलिस्म को तोड़ा और आखिरकार टीम टॉस जीतने में सफल रही। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच विशाखापत्तनम में तीसरा वनडे मैच खेला जा रहा है। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने 21वें वनडे में जाकर टॉस जीता है। भारतीय टीम ने इससे पहले वनडे में लगातार 20 टॉस गंवाए थे और टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल से लगातार टॉस गंवा रही थी। भारत ने प्लेइंग-11 में किया एक बदलाव टॉस जीतना भारत के लिए कितना अहम था इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि केएल राहुल भी अपनी खुशी नहीं रोक सके। भारत ने इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है और वाशिंगटन सुंदर की जगह तिलक वर्मा को एकादश में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका ने भी दो बदलाव किए हैं और रिक्लेटन तथा बार्टमैन की वापसी हुई है। तेम्बा बावुमा ने बताया कि डि जॉर्जी और नांद्रे बर्गर कुछ सप्ताह के लिए बाहर हो गए हैं। टॉस के दौरान कमेंट्री मुरली कार्तिक कर रहे थे। राहुल ने जैसे ही टॉस जीता तो मुरली कार्तिक ने उनसे कहा कि जब आखिरी बार भारत ने टॉस जीता था उस वक्त शुभमन गिल के साथ मैं ही था और आज भी जब आपने टॉस जीता तो मैं कमेंट्री कर रहा हूं। इस पर दोनों हंसने लगे। दरअसल, वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान गिल ने टॉस जीता था और कार्तिक उसी का उदाहरण दे रहे थे। दोनों टीमों की प्लेइंग-11: भारतः रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।दक्षिण अफ्रीकाः रेयान रिकेल्टन, क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), तेम्बा बावुमा (कप्तान), मैथ्यू ब्रिट्जके, एडेन मार्करम, डेवाल्ड ब्रेविस, मार्को यानसेन, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, ओटेनिल बार्टमैन।

मैदान पर दिखी विराट-कुलदीप की गहरी यारी

विशाखापत्तनम। विराट कोहली मैदान पर अपनी मस्ती के लिए मशहूर हैं। ऐसा ही कुछ उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी तीसरे वनडे के दौरान किया। कॉर्बिन बॉश के विकेट के बाद उन्हें कुलदीप यादव के साथ कपल डांस करते देखा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विराट कोहली मैदान पर हों और मस्ती न हो ऐसा कभी हो सकता है ! दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी तीसरे वनडे में कुलदीप यादव ने कॉर्बिन बॉश को कॉट एंड बोल्ड कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद किंग कोहली ने उनके साथ कपल डांस किया और जश्न मनाया। दोनों की गहरी दोस्ती का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मैदान पर दिखी कुलदीप-विराट की जुगलबंदी

यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 43वें ओवर की तीसरी गेंद पर हुई। कुलदीप ने कॉर्बिन बॉश को कॉट एंड बोल्ड किया। वह 12 गेंदों पर नौ रन बनाकर लौटे। जैसे ही कुलदीप ने सफलता हासिल की विराट कोहली जश्न मनाने के लिए उनके पास पहुंच गए। इस दौरान दोनों ने साथ में कपल डांस किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। फैंस को विराट और कुलदीप की यह जुगलबंदी पसंद आ रही है।

270 पर ऑलआउट दक्षिण अफ्रीका

भारतीय टीम ने कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा के चार-चार विकेटों की मदद से दक्षिण अफ्रीका को 47.5 ओवर में 270 रन पर ऑलआउट कर दिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डिकॉक ने 106 रनों की पारी खेली, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 48 रन बनाए। डिकॉक और बावुमा ने दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर सका। डिकॉक और बावुमा की साझेदारी जडेजा ने तोड़ी जिसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना दम दिखाया। प्रसिद्ध के बाद कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका की पारी समेटने में ज्यादा देर नहीं लगाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए डिकॉक और बावुमा के अलावा डेवाल्ड ब्रेविस ने 29, मैथ्यू ब्रिट्जके ने 24, मार्को यानसेन ने 17 और कॉर्बिन बॉश ने नौ रन बनाए। वहीं, केशव महाराज 20 रन बनाकर नाबाद रहे। कुलदीप और प्रसिद्ध के अलावा अर्शदीप सिंह और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला।

राजनीति का नैतिक अवसान, लोकतंत्र के भविष्य को खतरा

महात्मा गांधी का अमर वाक्य आज भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक त्रासदी पर सीधा प्रहार करता है सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। कभी राजनीति जनसेवा का श्रेष्ठ मार्ग थी, यह मार्ग त्याग, तपस्या, साधना और राष्ट्रहित की भावना से निर्मित था, जहाँ राजनेता स्वयं को राष्ट्र के सेवक के रूप में देखते थे, न कि सत्ता के स्वामी के रूप में। किंतु समय का चक्र बदला और आज राजनीति का चरित्र भयावह रूप से परिवर्तित हो गया है। आधुनिक राजनीति का सबसे बड़ा संकट यही है कि इससे नैतिकता, सदाचार और आदर्श लगभग विलुप्त होते जा रहे हैं और सत्ता का लोभ, पद का प्रलोभन तथा सिद्धांतहीनता इसका मुख्य आधार बनते जा रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के समय राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्र के प्रति समर्पित था, वह त्याग और सत्याग्रह की शक्ति से समृद्ध था। महात्मा गांधी की अहिंसा, स्वामी विवेकानंद का राष्ट्रधर्म, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की क्रांति चेतना, सरदार वल्लभभाई पटेल की संगठन शक्ति, लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, जवाहरलाल नेहरू की वैचारिक प्रतिबद्धता, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का संविधान निर्माण ये सभी राजनीतिक आदर्श नैतिकता की ऊष्मा से प्रेरित थे। उस समय राजनीति में प्रवेश एक तपस्वी जीवन था, सत्ता नहीं सेवा थी, लाभ नहीं, त्याग था, प्रतिष्ठा नहीं, जिम्मेदारी थी। किंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजनीति की दिशा धीरे-धीरे बदलती गई। जब लोकतंत्र में सत्ता की शक्ति का विस्तार हुआ, तब नैतिकता का पतन भी उसी गति से आरंभ हुआ। राजनीति सत्ता प्राप्ति का खेल बन गई और पद प्राप्त करने की होड़ नैतिकता, सिद्धांत और मानवीय मूल्यों पर भारी पड़ने लगी। आज स्थिति यह है कि राजनीति में प्रवेश का प्रमुख आधार धनबल, बाहुबल और धोखाधड़ी की शक्ति बन गया है। अनेक जनप्रतिनिधियों पर गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं, फिर भी वे संसद और विधानसभाओं की कुर्सियाँ सजाते हैं। सार्वजनिक संपत्ति को लूटने और रिश्वतखोरी के अपराधों में संलिप्त अनेक नेताओं की लंबी सूची है, जिन पर आरोप सिद्ध होने के बावजूद वे शासन-प्रशासन के निर्णायक पदों पर बैठे रहते हैं। यह राजनीति का सबसे बड़ा पतन है कि जिस शक्ति का उद्देश्य राष्ट्रनिर्माण था, वह व्यक्तिगत लाभ का साधन बन चुकी है। राजनीति आज चरित्रहीनता का उच्चतम उदाहरण प्रस्तुत कर रही है जहाँ भाईभतीजावाद, परिवारवाद और पदों का व्यापार खुलकर सामने आता है। योग्य व्यक्ति अवसर से वंचित हो जाता है और अयोग्य सत्ता के केंद्र में पहुँच जाता है।

न्यूयॉर्क में घर में आग लगने के बाद भारतीय छात्रा की मौत

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के अल्बानी में घर में आग लगने के बाद गंभीर रूप से घायल हुई 24 वर्षीय भारतीय छात्रा सहज रेड्डी उदुमाला की मौत हो गई। भारतीय दूतावास ने उनके निधन पर दुख जताया है और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। अमेरिका में भारत की एक छात्रा की मौत हो गई। घर में आग लगने के कारण छात्रा को गंभीर चोटें आई थीं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। सहज रेड्डी उदुमाला (24 वर्षीय) न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही थी। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उदुमाला की

आकस्मिक मृत्यु से गहरा दुख हुआ।' दूतावास ने कहा, इस कठिन समय में हमारे विचार और हार्दिक संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। इसने यह भी कहा कि वह उदुमाला के परिवार के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। अल्बानी पुलिस विभाग ने एक बयान में कहा कि उनके कर्मी और अल्बानी दमकल विभाग ने चार दिसंबर की सुबह घर में आग लगने की सूचना के बाद तत्काल प्रतिक्रिया दी थी। जब वे घटनास्थल पर पहुंचे थे तो अधिकारियों और दमकल कर्मियों ने पाया कि घर पूरी तरह से आग में जल रहा था और कई लोग अभी भी घर के अंदर थे। कर्मियों की टीमें घर के अंदर चार वयस्कों को ढूंढने में सफल हुए, जिन्हें आपात मेडिकल कर्मियों ने मौके पर उपचार दिया और फिर उन्हें गंभीर चोटों के उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इनमें से दो पीड़ितों को आगे के इलाज के लिए मेडिकल बर्न सेंटर में स्थानांतरित किया गया। पुलिस विभाग ने कहा, दुर्भाग्यवश वयस्क पीड़ित महिला ने आग में लगी चोटों के कारण अपनी जान गंवा दी। परिवार को सूचना मिलने तक पुलिस ने पीड़िता का नाम सार्वजनिक नहीं किया। लेकिन मृतक को उनके परिवार ने उदुमाला के रूप में पहचान लिया। उदुमाला केचचेरा भाई रत्न गोपू ने अंतिम संस्कार, श्रद्धांजलि सभा, वापसी और परिवहन के इंतजाम और परिवार की सहायता व अतिरिक्त खर्चों के लिए पैसा जुटाने का अभियान शुरू किया है। इस अभियान में गोपू ने कहा, हमारा परिवार एक अवर्णनीय त्रासदी का सामना कर रहा है, हमारी प्रिय चचेरी बहन सहज उदुमाला का एक भीषण अग्निकांड के बाद निधन हो गया। उन्होंने आगे कहा, सहज केवल 24 साल की थीं, एक मेहनती छात्रा थीं, जो न्यूयॉर्क के अल्बानी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही थीं और भविष्य को लेकर सपनों और उम्मीदों से भरी हुई थी। गोपू ने कहा कि उदुमाला के शरीर के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से में गंभीर रुप से झुलसने के निशान थे। उन्होंने कहा, उन्होंने पूरी ताकत के साथ संघर्ष किया। सभी चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उनकी हालत बिगड़ती गई और आखिरक उनके अंग पूरी तरह विफल हो गए, जिससे उनकी आज सुबह मृत्यु हो गई।

भारत को जल्द मिलेंगी 40 हजार लाइट मशीन गन

यरू। इस्राइल की प्रमुख रक्षा कंपनी से भारत को अगले साल की शुरूआत में 40 हजार लाइट मशीन गन मिल सकती हैं। कंपनी पहली खेप की आपूर्ति

करने पर विचार कर रही है। साथ ही, कंपनी लगभग 1,70,000 आधुनिक कार्बाइन देने के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर के अंतिम चरण में है। इस्राइल की एक प्रमुख रक्षा कंपनी ने कहा कि वह अगले साल की शुरूआत से भारत को 40 हजार लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप देना शुरू करेगी। इसके साथ ही कंपनी करीब एक लाख 70 हजार आधुनिक कार्बाइन देने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के अंतिम चरण में है। इस्राइल वेपन इंडस्ट्रीज (आईडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शुकी श्वाट्र्ज ने कहा कि उनकी कंपनी भारतीय गृह मंत्रालय की कई एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्तौल, राइफल और मशीन गन जैसे हथियारों की भारत में बिक्री पर काम कर रही है। श्वाट्र्ज ने पीटीआई के साथ इंटरव्यू में कहा, हम अभी तीन बड़े कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला 40 हजार लाइट मशीन गन का अनुबंध है, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर हुए थे। हमने सभी परीक्षण और सरकारी जांच पूरी कर ली है और हमें उत्पादन का लाइसेंस मिल गया है। हम साल की शुरूआत में पहली खेप देने की तैयारी में हैं। उन्होंने कहा कि एलएमजी की आपूर्ति पांच वर्षों तक चलेगी। उन्होंने कहा कि वह इससे जल्दी भी आपूर्ति कर सकते हैं, लेकिन पहली खेप साल की शुरूआत में दी जाएगी। श्वाट्र्ज ने कहा कि दूसरा कार्यक्रम सीक्यूबी (क्लोज क्वार्टर्स बैटल) कार्बाइन का टेंडर है। इसमें उनकी कंपनी ने दूसरी सबसे बड़ी बोली लगाई थी, जबकि 'भारत फोर्ज' मुख्य बोली लगाने वाली कंपनी है। उन्होंने कहा, हम इस अनुबंध के 40 फीसदी हिस्से की आपूर्ति करना चाहते हैं। हम अनुबंध पर हस्ताक्षर से ठीक पहले के चरण में हैं और मुझे लगता है कि यह इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरूआत में पूरा हो जाएगा। सीक्यूबी कार्बाइन की 60 फीसदी आपूर्ति भारत फोर्ज द्वारा की जाएगी, जबकि बाकी 40 फीसदी (1,70,000 यूनिट) अदाणी ग्रुप की कंपनी पीएलआर सिस्टम्स द्वारा दी जाएगी। आर्बेल तकनीक के बारे में श्वाट्र्ज ने बताया कि यह एक कंप्यूटरीकृत हथियार प्रणाली है।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर सख्ती बढ़ी

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिनियापोलिस में फेडरल एजेंट्स ने अवैध इमिग्रेंट्स पर छापेमारी कर 12 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें छह मेक्सिकन, पांच सोमाली और एक एल साल्वाडोर नागरिक शामिल हैं। अभियान मुख्य रूप से सोमाली समुदाय को निशाना बनाने के लिए शुरू किया गया था, लेकिन आधे से कम गिरफ्तारियां सोमाली नागरिकों की हुईं। अमेरिका के मिनियापोलिस में फेडरल एजेंट्स ने इस सप्ताह अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस छापेमारी में 12 लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का मुख्य लक्ष्य सोमाली समुदाय के अवैध प्रवासियों पर था, लेकिन गिरफ्तार लोगों में केवल पांच सोमाली थे। बाकी में छह मेक्सिकन और एक एल साल्वाडोर का नागरिक था। बता दें कि मिनियापोलिस-सेन्ट पॉल क्षेत्र में अमेरिका की सबसे बड़ी सोमाली समुदाय रहती है। ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले शिकागो, लॉस एंजिलिस और चार्लोट में भी बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान चलाया था। इसी तरह इस सप्ताह न्यू ऑरलियन्स में भी कार्रवाई की गई है, जहां अधिकारी 5,000 लोगों तक को गिरफ्तार करने की योजना बना

रहे हैं। गिरफ्तार लोगों में कुछ पर पहले से ही मामले दर्ज मामले में डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लॉगलिन ने कहा कि गिरफ्तार किए गए 12 लोगों में से अधिकांश सबसे बड़े अपराधी अवैध प्रवासी हैं। इनमें से आठ पर हिंसा, धोखाधड़ी, घरेलू हिंसा और नशे में ड्राइविंग जैसे मामले थे। वहीं मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे ने कहा कि शहर की पुलिस फेडरल इमिग्रेशन अभियान में भाग नहीं लेगी। इसके बावजूद डीएचएस की मैक्लॉगलिन ने फ्रे और वाल्ज पर आरोप लगाया कि उन्होंने इमिग्रेशन कानून लागू नहीं किया और नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला। ट्रंप की आलोचना और विवाद क्यों? गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोमाली प्रवासियों को सार्वजनिक रूप से कचरा कहा। साथ ही कहा कि वे देश के लिए योगदान नहीं करते। उन्होंने मिनेसोटा के डेमोक्रेटिक गवर्नर टिम वाल्ज पर भी आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में सरकारी कार्यक्रमों में धोखाधड़ी हुई और इससे एक सोमाली कट्टरपंथी समूह को धन पहुंचा। इस छापेमारी और ट्रंप की टिप्पणियों की स्थानीय और राज्य अधिकारियों ने तीखी आलोचना की है।

मीडिया को चेताने के लिए ट्रंप प्रशासन ने उठाया कदम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का व्हाइट हाउस अब खुद को मीडिया आलोचक के रूप में पेश कर रहा है। इसके लिए ट्रंप प्रशासन ने एक नया वेब पोर्टल भी लॉन्च किया है। साथ ही आम अमेरिकी नागरिकों से मदद भी मांगी है। इतना ही नहीं दावा किया गया है कि अब ये पोर्टल मीडिया आउटलेट्स की कथित पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग को उजागर करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्हाइट हाउस अब खुद को मीडिया आलोचक के रूप में पेश कर रहा है। साथ ही आम अमेरिकियों से मीडिया पूर्वाग्रह की जानकारी साझा करने के लिए मदद मांग रहा है। व्हाइट हाउस ने एक नया वेब पोर्टल लॉन्च किया है, दावा किया जा रहा है कि इसका मकसद मीडिया आउटलेट्स की कथित पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग को उजागर करना है। शुरूआत में इस पोर्टल ने बोस्टन ग्लोब, सीबीएस न्यूज, द इंडिपेंडेंट और द वाशिंगटन पोस्ट को सप्ताह के मीडिया अपराधी के रूप में नामित किया। बता दें कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में ही मीडिया पर लगातार आरोप लगाना शुरू कर दिया था। इतना ही नहीं मीडिको को 'फेक न्यूज' भी कहा था। उन्होंने सीबीएस न्यूज और वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी, एसोसिएटेड प्रेस के साथ मीडिया एक्सेस पर विवाद किया और सरकारी मीडिया आउटलेट वॉयस ऑफ

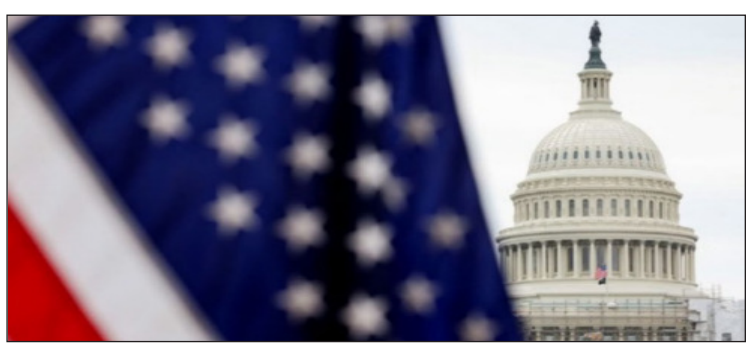

अमेरिका को खत्म करने की कोशिश की। आम अमेरिकियों से मांगी मदद व्हाइट हाउस ने पोस्ट लॉन्च के बाद व्हाइट हाउस ने आम लोगों से भी मीडिया पूर्वाग्रह के उदाहरण साझा करने को कहा है। प्रेस ऑफिस ने बताया कि हम सभी झूठी या भ्रामक कहानियों की पहचान नहीं कर सकते, इसलिए आम लोगों की मदद जरूरी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि यह सब संभालना बहुत भारी है। यह नया पोर्टल पत्रकारों को जवाबदेह बनाने का प्रयास है। अब समझिए पोर्टल की खास बातें बात अगर पोर्टल की खास बातों की करें तो पोर्टल में ऑफेंडर हॉल ऑफ शेम और लीडरबोर्ड भी है, जहां सबसे ज्यादा आलोचना किए गए मीडिया आउटलेट्स को दिखाया गया है। शुरूआती रिपोर्टों में द वाशिंगटन पोस्ट ने सबसे ज्यादा छह बार जगह बनाई, जबकि सीबीएस न्यूज, द न्यूयॉर्क टाइम्स और एमएस नाउ ने पांच-पांच रिपोर्टों में आलोचना झेली। ट्रंप ने खुद कई बार की है पत्रकारों के आलोचना गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्यक्तिगत रूप से पत्रकारों की कई बार आलोचना कर चुके हैं। पिछले महीने ही उन्होंने एयर फोर्स वन पर एक महिला रिपोर्टर को 'क्वाइट, पिग्गीह्ल कहा, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्टर को बदसूरत कहा। साथ ही एबीसी न्यूज की पत्रकार को भयानक रिपोर्टर बताया था। प्रशासन के कदम पर अलग-अलग प्रतिक्रिया, किसने क्या कहा? व्हाइट हाउस के इस कदम पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रिया सामने आ रही है। द वाशिंगटन पोस्ट के संपादक मैट मरे ने कहा कि सरकारी अधिकारियों द्वारा संविधान द्वारा संरक्षित अधिकार का प्रयोग करने वाले पत्रकारों को लक्षित करना गलत है। हम रिपोर्टिंग जारी रखेंगे। वहीं कंजर्वेटिव मीडिया वॉचडॉग मीडिया अनुसंधान केंद्र ने पोर्टल का स्वागत किया। निदेशक टिम ग्राहम ने कहा कि यह प्रयास पिछले रिपब्लिकन अध्यक्षों से मजबूत है। मीडिया को पहचानना जरूरी है। वहीं एक्सियोस के सीईओ जिम वांडिहाई ने कहा कि पोर्टल कोई असर नहीं डालेगा। उन्होंने कहा कि लोगों में मीडिया और सच्चाई के प्रति लगातार शक पैदा करना देश के लिए नुकसानदेह है।

दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया के पास बार में गोलीबारी 11 की मौत

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया के पास बार में हुई गोलीबारी में अब तक 11 लोग मारे गए, जिसमें तीन बच्चे शामिल हैं। मृत बच्चों में 3 साल का लड़का, 12 साल का लड़का और 16 साल की लड़की शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया के पास स्थित सॉल्सविले टाउनशिप में शनिवार तड़के एक अनलाइसेंसी बार में हुई गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा 14 लोग घायल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घायल लोगों की उम्र के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है। मृत बच्चों में 3 साल का लड़का, 12 साल का लड़का और 16 साल की लड़की शामिल हैं। पुलिस ने तीन संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि इस घटना में मृतक और घायल सभी बार में मौजूद लोग थे। अभी तक गोलीबारी के कारण और संदिग्धों के पीछे की स्थिति का पता नहीं चल सका है। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका में हत्या की दर विश्व में सबसे अधिक है और 2024 में यहां 26,000 से अधिक हत्याएं दर्ज की गईं यानी औसतन हर दिन 70 से ज्यादा हत्या की घटनाएं होती हैं।

वित्तीय और तकनीकी निविदा खोलने में नियमों की अनदेखी

संवाददाता

पीलीभीत। जिला पंचायत के 95 कार्यों के टेंडर में गड़बड़ी की शिकायत अब गन्ना राज्यमंत्री से की गई है। इसमें नियमों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से निविदा खोलने का आरोप लगा है। ठेकेदारों ने जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उधर, डीएम की ओर से गठित समिति की जांच भी अंतिम दौर में है। जिला पंचायत की टेंडर प्रक्रिया से जुड़े विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। निविदा प्रक्रिया में की गई अनियमितता का मामला जोर पकड़ रहा है। अधूरे दस्तावेज और अवकाश के दिन निविदा खोलने की शिकायत के बाद अब वित्तीय और तकनीकी निविदा एक ही दिन खोले जाने की शिकायत गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार से हुई है। जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदार सत्यप्रकाश, भूरेखां, सुगरा, हरीशचंद्र, राजबाबू, सरला देवी, एसडी गंगवार आदि ने शिकायती पत्र देकर बताया कि 25 नवंबर की दोपहर दो बजे के बाद तकनीकी और वित्तीय दोनों निविदा खोल दी गईं। यह निविदा सहायक अभियंता मिठाईलाल की ओर से अपलोड की गईं, जबकि वह इस दिन अवकाश पर थे। इससे पता चलता है कि सहायक अभियंता के डोंगल का विधि विरुद्ध प्रयोग किया गया है। नियम की अनदेखी, एक ही दिन खोल दीं दोनों निविदा ठेकेदारों ने बताया कि तकनीकी और वित्तीय निविदा एक ही दिन नहीं खोली जा सकतीं लेकिन नियमों की अनदेखी कर निविदा खोल दी गईं। ठेकेदारों ने बताया कि जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी का कहना है कि दोनों निविदा के बीच 24 या 48 घंटे का समय देने संबंधी कोई शासनादेश उनके पास नहीं हैं। ठेकेदारों ने मांग की कि अगर एएमए के पास एक ही दिन दोनों निविदा खोलने का शासनादेश है तो उसकी प्रति उपलब्ध कराएं। सीडीओ की अध्यक्षता वाली समिति कर रही जांच जिला पंचायत की टेंडर प्रक्रिया पर लगे आरोपों की जांच के लिए डीएम की ओर से समिति गठित गई है। सीडीओ की अध्यक्षता वाली समिति इसकी जांच कर रही है। जांच अंतिम दौर में है। एकड्ढ दो दिन में इसकी सदस्य के सगे-संबंधी की फर्म की हो चुकी शिकायत नियमों की अनदेखी कर वार्ड-सात के जिला पंचायत सदस्य के सगे-संबंधी की ओर से निर्माण कार्यों का ठेका लेने की शिकायत भी हो चुकी है। पावर ऑफ अटार्नी के नाम पर हो रहे इस खेल पर भी जिला पंचायत के जिम्मेदार मौन हैं। मुजीब अहमद, मुकेश सोलंकी, महेंद्र कुमार, पवन दीप आदि पंजीकृत ठेकेदारों ने अपर मुख्य अधिकारी से की शिकायत में बताया कि मेसर्स राकेश कुमार कांट्रैक्टर के नाम से निर्माण कार्य के लिए पंजीकृत फर्म है। राकेश कुमार ने इसकी पॉवर ऑफ अटार्नी देवेंद्र कुमार को दी है। देवेंद्र कुमार वार्ड- सात की जिला पंचायत सदस्य उषा देवी के सगे देवर और राकेश कुमार दामाद हैं।

कैमरा ट्रैपिंग तकनीक और डाटा की शुद्धता पर जोर दिया

संवाददाता

पीलीभीत। अखिल भारतीय बाघ गणना 2026 की तैयारी को लेकर शाहजहांपुर और पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वन अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के लिए रवाना हो गए। अब 10 दिसंबर से

मुस्तफाबाद में आयोजित दो दिनी प्रशिक्षण शनिवार शाम को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण का मुख्य आकर्षण कैमरा ट्रैपिंग तकनीक, उससे प्राप्त डाटा की पूर्ण शुद्धता और उसके व्यवस्थित संकलन पर रहा। नए दिशा-निर्देशों और अद्यतन तरीकों को समझकर सहारनपुर, बिजनौर, नजीमाबाद, फील्ड में बाघ गणना की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू की जाएगी। पीलीभीत टाइगर रिजर्व को इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए नोडल केंद्र बनाया था। समापन सत्र में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बाघ गणना की पूरी रूपरेखा, तकनीकी चुनौतियों और सावधानियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। पूर्व वरिष्ठ आईएफएस और सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी के सदस्य सीपी गोयल ने वन और वन्यजीव संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बाघ गणना में पगमार्क, मूवमेंट पैटर्न और कैमरा ट्रैप डाटा को अत्यंत सावधानी से दर्ज करना अनिवार्य है। फील्ड डायरेक्टर एच राजा मोहन ने इस बार की बाघ गणना में शामिल नई तकनीकों और प्रक्रियागत बदलावों की जानकारी दी। वहीं डीएफओ मनीष सिंह और डीएफओ भरत कुमार डीके ने प्रत्येक चरण में सटीक रिपोर्टिंग, पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कैमरा ट्रैप स्थापित करने की विधि, पगमार्क पहचान, बाघों की गतिविधियों पर वैज्ञानिक निगरानी और डाटा संकलन के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गई। समापन कार्यक्रम में सभी विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। मई 2026 तक पूरी गणना प्रक्रिया को पूरा किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

पीटीआर में उमड़े सैलानी, बाघों के अद्भुत नजारों ने किया रोमांचित

संवाददाता

पीलीभीत। ठंडे मौसम के बीच रविवार को छुट्टी के दिन पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन स्थल पर काफी रौनक रही। सुबह और शाम की दोनों शिफ्टों में बेहतर संख्या में सैलानी जंगल सफारी का रोमांच लेने पहुंचे। बाघों का खूबसूरत नजारा देख सैलानी रोमांचित हुए। रविवार को

सुबह की पहली शिफ्ट से ही सैलानियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जंगल में घूमते हिरन, नीलगाय, मोर और कई पक्षियों को देख सैलानियों का सफर यादगार हो गया। जंगल भ्रमण के दौरान सायफन क्षेत्र में एक बाघ की निर्भीक चहलकदमी का दृश्य देख सैलानी अधिक रोमांचित हुए। सैलानियों ने इस अनोखे पल को कैमरों में कैद कर यादगार बना लिया। चूका बीच पर पहुंचकर पर्यटकों ने प्रकृति की सुंदरता और शांत माहौल का आनंद लिया। पर्यावरण प्रेमियों के अलावा कई परिवार भी छुट्टी के दिन बच्चों के साथ रिजर्व पहुंचे और रोमांचक सफारी का लुत्फ उठाया। पर्यटन सत्र में हर सप्ताहांत बढ़ रही भीड़ से स्थानीय पर्यटन में भी रौनक बढ़ी है। महोफ रेंजर सहेंद्र यादव ने बताया कि पीटीआर में सुरक्षा, व्यवस्था और गाइड सुविधा को मजबूत बनाया है ताकि प्रत्येक सैलानी को सुरक्षित और आनंददायक अनुभव मिल सके।

खुले फूल और बुके पर दाम बढ़े, कारोबार में भी तेजी

संवाददाता

पीलीभीत। शादी-बरातों में सजावट और पुष्पगुच्छ भेंट में मांग के चलते इन दिनों फूलों के दाम में बढ़ोतरी हुई है। फूलों से सजावट करने वाले व्यापारियों ने भी कार्य करने के पैसे बढ़ा लिए हैं। बाजार में पन्नी और कपड़ों से लिपटे पुष्पगुच्छ के दाम सुंदरता के चलते बढ़े हैं। हालांकि बाजार में फूलों की पूर्ति में कोई समस्या नहीं आई है। दिसंबर माह में फूलों का कारोबार तेजी से बढ़ता है। माह में सहालग के चलते बरात घरों, कारों में सजावट के साथ लोगों को पुष्प गुच्छ देने के चलते सैकड़ों क्विंटल फूलों की खपत होती है। इस मौसम में फूलों की वृद्धि दर भी कम होती है। इससे फूलों के दाम में बढ़ोतरी हो जाती है। इन दिनों स्थानीय बाजार में गेंदा, गुलाब सहित अन्य फूलों के दाम बढ़ गए हैं।

रिफाइनरी में शट डाउन के चलते गैस सिलिंडर की आपूर्ति बाधित, उपभोक्ता परेशान

संवाददाता

पीलीभीत। शहर में घरेलू गैस चूल्हा में प्रयुक्त एक कंपनी के गैस सिलिंडर की आपूर्ति बाधित होने के चलते उपभोक्ताओं को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दस दिन पहले बुकिंग के बाद भी लोगों के घरों में गैस सिलिंडर नहीं पहुंच रहे हैं। गैस गोदामों में सिलिंडर नहीं होने के चलते संचालकों को दिक्कत हो रही है। कई उपभोक्ता खाली गैस सिलिंडर लेकर एजेंसी कार्यालय पहुंच रहे हैं लेकिन उनको मायूस लौटना पड़ रहा है। ऐसे में उपभोक्ताओं के घर में भोजन पकाने तक की चुनौती बनी हुई है। गैस चूल्हा और सिलिंडर हर घर में भोजन पकाने के लिए सबसे उपयोगी संसाधन है लेकिन अगर भोजन पकाने पर ही संकट आ जाए तो लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन दिनों शहर में ऐसा ही समस्या है। पंजाब के बठिंडा में एक घरेलू सिलिंडर की कंपनी की रिफाइनरी शट डाउन हो गई है। इसके चलते उसकी आपूर्ति शहर में गुजरात से हो रही है। गुजरात से गैस सिलिंडर आने में एक सप्ताह से अधिक समय लग रहा है। इसी के चलते शहर में एक कंपनी के गैस सिलिंडर की आपूर्ति बाधित हो रही है। शहर के जाटो वाले चौराहे के करीब बने इस गैस एजेंसी के कार्यालय में नियमित लोग अपने घरेलू किचन की खाली गैस लेकर लौट रहे हैं, लेकिन गैस सिलिंडर नहीं होने के अभाव में लोगों को मायूस लौटना पड़ रहा है। लोगों के अनुसार एक सप्ताह पहले की बुकिंग पर भी उनके घर गैस सिलिंडर नहीं पहुंच रहे हैं। एजेंसी संचालक का कहना है कि पंजाब में स्थित गैस रिफाइनरी शट डाउन के चलते पंजाब से आपूर्ति बाधित है। गुजरात से आपूर्ति में समय लग रहा है। हालांकि इस सप्ताह पंजाब से आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। चार दिन पहले गैस की बुकिंग कराई थी, लेकिन अभी तक गैस घर नहीं पहुंची है। एजेंसी पर भी उपलब्ध नहीं हो पाई। लगभग पांच दिन पहले गैस की ऑनलाइन बुकिंग कराई, घर में गैस खत्म हो गई है। भोजन पकाने में दिक्कत हो रही है।

सड़क निर्माण में घटिया सामग्री लगाने का आरोप, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

पीलीभीत। सड़क निर्माण में घटिया सामग्री लगाए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने की मांग की। गांव जितौरिया टांडा से लेकर केशोपुर मढ़ी तक जाने वाली सड़क जर्जर हालत में थी। इससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा था। लोगों की मांग पर इन दिनों सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी की ओर से लाखों रुपये की लागत से कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ सड़क बन रही तो पीछे उखड़ती जा रही है। रविवार को अनेक ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का आरोप लगाकर हंगामा किया। इसके साथ ही नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन करके गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने की मांग की। विरोध प्रदर्शन करने वालों में अवनीश कुमार, राजेश कुमार, उमेश कुमार, सुरेश कुमार, ओम प्रकाश, लालता प्रसाद, राहुल सहित अन्य कई लोग शामिल रहे।

टेंडर हुए एक महीना बीता, पैंटून पुल का खत्म नहीं हो रहा इंतजार

संवाददाता

पीलीभीत। शारदा नदी पार आवागमन के लिए पैंटून पुल तैयार कर आवागमन शुरू कराने का टेंडर हुए करीब एक महीना बीत गया। इसके बाद भी पैंटून पुल तैयार नहीं हो सका। लोगों को नदी पार आवागमन के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। तहसील क्षेत्र के शारदा पार गांवों में आवागमन के लिए शारदा नदी पर हर साल पैंटून पुल बनाया जाता है। बाढ़ की आशंका पर पुल 15 जून को हटाने और शारदा नदी में पानी कम होने पर 15 अक्तूबर को पुल से आवागमन शुरू करना निर्धारित है। पिछले तीन सालों से समय पर पुल हटा तो लिया जा रहा है लेकिन निर्धारित समय पर तैयार नहीं हो पा रहा है। इस बार पैंटून पुल को लेकर टेंडर प्रक्रिया पूरी हुए करीब एक महीना हो चुका है। शारदा नदी चौड़ी धार में बह रही है लेकिन विभाग के पास इतना लंबा पुल बनाने की

सामग्री ही नहीं है। विभागीय अफसर बंद नहरों में पानी छोड़े जाने का इंतजार कर रहे हैं। शारदा नदी का जलस्तर और कम होने पर पैंटून पुल बनाने की तैयारी है। विभागीय अफसरों का कहना है कि 20 दिसंबर तक नहरों में पानी छोड़ दिया जाएगा। अफसर इसके बाद पैंटून पुल बनने की बात कह रहे हैं। विभाग के पास हैं 26 पैंटून शारदा नदी पर पैंटून पुल बनवाने का जिम्मा पीडब्ल्यूडी के पास है। विभाग के पास शारदा नदी पर पैंटून पुल बनवाने के लिए 30 पैंटून थे। करीब पांच साल पहले दो पैंटून शारदा नदी की रेत में दब गए। उनको नहीं निकाला जा सका। दो पैंटून पूरी तरह से डैमेज हैं। उनकी मरम्मत नहीं कराई

एक्सप्रेस व्यूज
(हिन्दी मासिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मोहित कुमार द्वारा ए. के प्रिंटर्स, मोहल्ला भूरे खां, पीलीभीत से मुद्रित कराकर म.नं. 87, मोहल्ला थान सिंह पीलीभीत (उ0प्र0) 262001 से प्रकाशित किया गया।
सम्पादक
मोहित कुमार
नोट : सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत न्यायालय होगा।